भाकृअनुप
ICAR

निनफेट समाचार

खंड 22 अंक 2
अप्रैल से दिसंबर 2019

इस अंक में

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस
- आईएमसी की बैठक
- स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह
- रहस्योद्घाटन-भ्रमण-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम
- संविधान दिवस (प्रथम कार्यक्रम)
- 6ठा डॉ.पी. बी. सरकार स्मारक व्याख्यान
- क्षमता निर्माण कार्यक्रम
- स्वच्छता पखवाड़ा समारोह
- संविधान दिवस (दिवतीय कार्यक्रम)
- विद्युत चालित रिबनर पर स्थलीय प्रदर्शन कार्यक्रम
- एबीआई के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम
- स्व-प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
- आईटीएमयू गतिविधियाँ
- एनएफएसएम प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
- एमजीएमजी कार्यक्रम
- आईआरसी बैठक
- शीघ्र सड़ाने वाले स्थलीय प्रदर्शन
- प्रदर्शनी में सहभागिता
- तेज -2019 में भागीदारी
- अनु.जाति उप- योजना के तहत कार्यक्रम
- हिंदी सेल की गतिविधियाँ
- गृह गोष्ठी
- प्रतिष्ठित आगंतुक
- रहस्योद्घाटन-भ्रमण
- कार्मिक

प्रमुख संपादक
डॉ. एन. सी. पान

संपादक मण्डल
डॉ. एल. अम्मैयप्पन
डॉ. एल.के. नायक
डॉ. एन .मृधा

अनुवाद एवं संपादन
किशुनलाल अहिरवार

फोटोग्राफी
श्री कौशिक मित्रा

मुद्रक
सेमाफोर टेक्नोलॉजीज प्रा. लि.
फ़ो.नं.- +91 9836873211

कुछ शब्द डायरेक्टर के...

हमारे देश को विस्तृत श्रृंखला वाले नैसर्गिक तंतुओं का वरदान मिला है क्योंकि यहाँ भिन्न-भिन्न प्रकार की जलवायु परिस्थितियां पाई जाती हैं और यह देश नैसर्गिक तंतुओं वाली अवशिष्ट बायोमास का उत्पादन करता हैं, जो मूल्य वर्धित उत्पादों के विकासार्थ उनके उपयोग को और विविध बनाते हैं। नैसर्गिक तंतु हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में रोजगार सृजन के साथ-साथ विदेशी मुद्रा अर्जन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पर्यावरण पर व्यापक जागरूकता से पेट्रोलियम आपूर्ति की घटती प्रवृत्ति के कारण हाल ही में नैसर्गिक तंतुओं पर अनुसंधान और विकास कार्य बढ़े हैं। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने और ऊर्जा की खपत करने वाले सिंथेटिक उत्पादों के प्रतिस्थापन के लिए नैसर्गिक तंतुओं और उनके उत्पादों के उत्पादन को महत्व दिया गया है। जागरूकता बढ़ाने के लिए संस्थान वर्ष भर विभिन्न प्लेटफार्मों पर नैसर्गिक तंतुओं को बढ़ावा दे रहा है।

वास्तव में, संस्थान दुनिया के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हेतु स्पर्धाओं की व्यवस्था करने के लिए अन्य संगठन के साथ जुड़ा हुआ है। इस अवधि के दौरान संस्थान ने 3 स्व-प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों; एबीआई के तहत जूट हस्तशिल्प विषयक 5 प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विभिन्न विषयों पर 12 प्रशिक्षण कार्यक्रमों और अनुसूचित जाति उप-परियोजना के तहत 2 कार्यशालाएं, भकृअनुप प्रायोजित शीतकालीन स्कूल, 4 एनएफएसएम प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, रेशा को शीघ्र सड़ाने वाले 26 स्थलीय प्रदर्शनों, पावर रिबनर वाले सात स्थलीय प्रदर्शनों और 6 एमजीमजी कार्यक्रमों में भाग लिया। इनके अलावा नैसर्गिक तंतुओं के हितधारकों के लाभार्थ एक प्रदर्शनी आयोजित की हैं।

मैं अपने कर्मचारियों को बधाई देता हूं जिनके सहयोग से संस्थान में राजभाषा हिंदी को बढ़ाने के लिए " प्रथम गणेश शंकर विद्यार्थी हिंदी पत्रिका पुरस्कार 2017-18 " के साथ " दिव्तीय राजश्री टंडन राजभाषा पुरस्कार 2017-18" मिल सका है। मैं कृषि एवं संवर्ग रेशा विज्ञानों 2018, फसलों एवं उद्यान कृषि में इंटर्डिसिप्लिनरी टीम रिसर्च में योगदान देकर आईसीएआर का नानाजी देशमुख पुरस्कार प्राप्त करने वाले जैविक रसायन के प्रधान विज्ञानी डॉ.अभिजीत दास को बधाई देता हूं। मैं अपने संस्थान की खेल टीम को भी बधाई देता हूं, जो सीआरआरआई, कटक पूर्वी क्षेत्र 2019 में भकृअनुप खेल टूर्नामेंट के दौरान टेबल टेनिस(टीम इवेंट) में चैंपियन विजेता रही है।

मुझे यकीन है कि संस्थान के प्रसार के परिणाम निश्चित रूप से हितधारकों के बीच नैसर्गिक तंतुओं पर अधिक जागरूकता पैदा करेंगे। मैं स्वयं को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे संस्थान के समाचार पत्र का प्रकाशन करने का सुअवसर मिला हैं। मैं इस समाचार पत्र को समय पर प्रकाशित करने के लिए संपादकीय मंडल के प्रयासों की सराहना कर रहा हूं।

डॉ. निमाई चंद्र पान
निदेशक

संस्थागत गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संस्थान ने अपने ही प्रांगण में 21.06.2019 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया और कर्मचारियों ने आमंत्रित योग प्रशिक्षकों द्वारा आयोजित किए जाने वाले योग सत्र में भाग लिया था। उन्होंने सभी कर्मचारियों को विभिन्न आसन, मुद्रा, प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास करवाया साथ ही उन्हें स्वयं करके बतलाया भी गया है। वर्तमान में, योग के बारे में जन मानस को जागरूक करने की आवश्यकता है।

सभा को निदेशक का संबोधन

योग विधि बताते योग प्रशिक्षक

योग अभ्यास करते संस्थान के कर्मचागण

विभिन्न आसनों का प्रदर्शन

संस्था प्रबंधन समिति की बैठक

संस्था प्रबंधन समिति की 71 वीं बैठक निदेशक की अध्यक्षता में 02.07.2019 को आयोजित की गई थी। बैठक में डॉ. रतन तिवारी, प्रधान वैज्ञानिक, आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल, डॉ. एस.सतपथी प्रधान वैज्ञानिक, क्राइजैफ, श्री सौमिक दे सरकार, श्री सनातन सरकार, डॉ. जी. बोस, एमपी प्रभागाध्यक्ष, डॉ. ए. एन. रॉय, टोट प्रभागाध्यक्ष, डॉ. बी. साहा, क्यूईआई प्रभागाध्यक्ष, प्रधान विज्ञानी डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय, श्री अमिताभ सिंह, एफएओ और श्री नवीन कुमार झा एसएओ ने भाग लिया था। डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय ने जूट एवं केले तंतुओं के मिश्रण से बने घरेलू कपड़ों पर वैज्ञानिक प्रस्तुति दी, जिसकी सभी सदस्यों द्वारा सराहना की गई थी। सभी सदस्यों ने संस्थान की 70 वीं आईएमसी बैठक की सिफारिशों, लेखा परीक्षा पैरा के निपटान और चालू वित्त वर्ष में बजट के उपयोग पर संतोष व्यक्त किया। आईएमसी अध्यक्ष ने अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, विस्तार गतिविधियों, चल रहे एससीएसपी कार्यक्रमों, एमजीएमजी कार्यक्रमों, पेटेंट विवरणों, परामर्शी कार्यों और संस्थान के शोध प्रकाशनों जैसी उपलब्धियों की संछिप्त जानकारी दी। संस्थान के एसएओ व आईएमसी के सदस्य - सचिव श्री नवीन कुमार झा ने बैठक का समन्वय किया।

सभा को अध्यक्ष का संबोधन

समूह में खड़े आईएमसी बैठक के सदस्य

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा

संस्थान ने 11.09.2019 से 02.10.2019 के दरम्यान स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया है। इस अवधि के दौरान स्कूली छात्रों के लिए निबंध, वाद-विवाद एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं और संस्थान के कर्मचारियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। महात्मा गांधीजी के जीवन दर्शन और स्वच्छता के महत्व को दर्शाने के लिए स्वच्छ भारत योजना के महात्म को आलोकित करते हुए संस्थान के कर्मचारियों द्वारा आस-पास के बाजारों वाले स्थानों पर सफाई अभियान चलाया गया और स्थानीय लोगों में जूट हैंड बैग भी वितरित किए। जनसाधारण को "एक बार उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक" का उपयोग नहीं करने के बारे में जागरूक किया गया साथ ही कार्यालय वाली जगह को स्वच्छ बनाए रखने और आमजनों को स्वच्छता के महत्व से अवगत कराने वाला संकल्प भी कर्मचारियों द्वारा लिया गया।

स्वच्छता के बारे में जागरूक करते कर्मचारीगण

सार्वजनिक स्थलों की सफाई करते कर्मचारीगण

संस्थान में महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती के साथ-साथ स्वच्छ भारत सेवा पखवाड़ा समापन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारियों और स्थानीय स्कूल के छात्रों के साथ शिक्षकों ने भी भाग लिया। डॉ. एन. सी. पान, निदेशक ने स्वच्छता पर महात्मा गांधी द्वारा दी गई शिक्षा पर प्रकाश डाला। संस्थान द्वारा पखवाड़ा के दौरान चलाई गई सभी गतिविधियों को डॉ. आर. नैय्या द्वारा प्रस्तुत किया गया था।

जूट बैग का वितरण

स्वच्छता प्रतिज्ञा लेते कर्मचारीगण

समापन समारोह में संबोधित करते निदेशक

सभा को मुख्य अतिथि का संबोधन

निबंध प्रतियोगिता

खुली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

समारोह के सम्मानित मुख्य अतिथि एवं पूर्व रेलवे कोलकाता के पूर्व उप महाप्रबंधक श्री चंद्र गोपाल शर्मा ने अपने संबोधन में स्वच्छ भारत विषय को केंद्रित करते हुए महात्मा गांधी की दूरदर्शिता पर बल दिया। उन्होंने एक बार उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने पर भी जोर दिया और कहा कि इसके लोकप्रियकरण हेतु निनफेट की प्रौद्योगिकियां काफी हद तक सक्षम हैं जिनसे रोज़मर्रा के कार्यों में प्लास्टिक के उपयोग को कम किया जा सकता है। इस विषय पर एक खुली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

संस्थान में 28 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2019 के दरम्यान सतर्कता जागरूकता सप्ताह "ईमानदारी - जीवन पथ" थीम पर मनाया गया। अवधि के दौरान कर्मचारियों के साथ-साथ स्कूली छात्रों को सतर्कता के बारे में जागरूक करने के लिए व्याख्यान, भाषण, वाद-विवाद, निबंध लेखन और सतर्कता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जिन्हें 28 अक्टूबर, 2019 को कर्मचारियों द्वारा ली गई प्रतिज्ञा के साथ शुरू किया गया था, जिसके बाद सतर्कता अधिकारी डॉ. बिप्लब साहा द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से हमारे जीवन में ईमानदारी का महत्व बतलाने वाला व्याख्यान दिया गया था।

सतर्कता सप्ताह पर प्रतिज्ञा लेते कर्मचारीगण

सतर्कता पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

सतर्कता पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

पुरस्कार वितरित करते मुख्य अतिथि

रहस्योद्घाटन- भ्रमण-सह - प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान ने अनुसूचित जाति उप-योजना (एससीएसपी) के तहत "जूट ग्रेडिंग विद डिजिटल इंस्ट्रूमेंट्स" और "निनफेट-साथी को तैयार" करने की प्रक्रिया को लेकर रहस्योद्घाटन- भ्रमण-सह - प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। इन कार्यक्रमों में पश्चिम बंगाल के हुगली जिला के बालगढ़ ब्लॉक से अनुसूचित जाति समुदाय के तीस (30) किसानों ने भाग लिया है। डॉ. एन. सी. पान, निदेशक ने सभा को अपने संबोधन में भारत सरकार द्वारा एक बार उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की चलाई गई मुहिम के संदर्भ में प्राकृतिक रेशों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने जूट और मेस्टा फसलों के बेहतर प्रबंधन हेतु संस्थान द्वारा विकसित किए गए नए-नए ग्रेडिंग इंस्ट्रूमेंट्स और निनफेट-साथी से सड़ाने वाली तकनीक के क्षेत्र पर जोर दिया।

समारोह में वक्तव्य देते श्री एस. कर्मकार

श्रेणीकरण प्रणाली को प्रदर्शित करते डॉ. डी. पी. राय

एससीएसपी के अध्यक्ष व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. लक्ष्मीकांत नायक ने अनुसूचित जाति के किसानों के उत्थान हेतु एससीएसपी की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला। प्रगतिशील किसान श्री सुब्रत कर्मकार ने संस्थान की गतिविधियों की सराहना की और जूट के पुन: उपयोग हेतु निनफेट-साथी के उपयोग पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने यह भी कहा कि जूट की पैदावार वाले मौसम काल में निनफेट-साथी जैसी तकनीक के उपयोग से प्रति क्विंटल पर तकरीबन 700-800 रुपए की अतिरिक्त आय अर्जित हुई है। संस्थान की गतिविधियों की विस्तृत प्रस्तुति करने के लिए एक वीडियो प्रेजेंटेशन शुरू किया गया था। निनफेट-साथी तैयार करने वाली इकाई का भ्रमण किए जाने के बाद जूट श्रेणीकरण करने में उपयोग होने वाले उपकरणों को प्रदर्शित करते हुए प्रशिक्षण दिया गया था। डॉ. डी. पी. राय, प्रधान वैज्ञानिक एवं सदस्य-एससीएसपी कार्यक्रम ने कार्यक्रम का समन्वय किया है।

संविधान दिवस (पहला कार्यक्रम)

"संविधान दिवस" के अवसर पर, संस्थान द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। 26 नवंबर, 2019 को होने वाले पहले कार्यक्रम में डॉ. एन .सी. पान, निदेशक ने सभा को अपने संबोधन में भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अंग्रेजी में संविधान की प्रस्तावना को पढ़कर सुनाया। तद्पश्चात, प्रधान विज्ञानी डॉ. ए. के. ठाकुर द्वारा इसका हिंदी रूपान्तरण पढ़ा गया था। श्री आर. डी. शर्मा, सहायक निदेशक राजभाषा (रा.भा.) ने संविधान दिवस की जागरूकता का प्रसार करने वाला व्याख्यान की प्रस्तुति कर भारतीय संविधान के निर्माता को श्रद्धांजलि दी।

सभा को डॉ. एन.सी.पान का संबोधन

प्रस्तुति देते हुए श्री आर. डी. शर्मा

उपस्थित सभासदों का दृश्य

उसी दिन, "संविधान दिवस" के एक समानांतर समारोह का आयोजन नदिया जिले के सत्यपोल गाँव में किया गया था। कार्यक्रम में कुल 101 प्रगतिशील किसान शामिल हुए थे जिसमें 8 महिलाएँ, 93 पुरुष, ग्राम पंचायत सदस्य और सहकारी समिति के सचिव बताए गए हैं। डॉ. एस. देबनाथ ने सभी किसानों का स्वागत किया और संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। सुश्री स्वर्णाली मुखर्जी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी ने हिंदी में संविधान का प्रस्तावना पढ़कर सुनाया। तद्पश्चात, डॉ. रीना नैय्या, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा उसे बंगला भाषा में पढ़ा गया।

सभा को संबोधित करते डॉ. एस. देबनाथ

संविधान का प्रस्तावना पढ़ती हुई डॉ. आर. नैय्या

समारोह में व्याख्यान देती हुई श्रीमती एस. मुखर्जी

समारोह में वक्तव्य रखते हुए डॉ. आर. के. घोष

डॉ. आर. नैय्या, एक्टो. ने स्वच्छ भारत अभियान के महत्व पर प्रकाश डाला तब विज्ञानी डॉ. आर. के. घोष ने भारतीय कृषि, कृषि से फैलने वाले प्रदूषण तथा विपणन पहलुओं पर चर्चा की। डॉ. घोष ने भारतीय संविधान और कृषि क्षेत्र पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया। संविधान दिवस समारोह समिति के नोडल अधिकारी व प्रधान विज्ञानी डॉ. एस. देबनाथ ने कार्यक्रम का समन्वय किया है।

छठा डॉ. पी. बी. सरकार स्मारक व्याख्यान

संस्थान में छठा डॉ. पी. बी. सरकार स्मारक व्याख्यान का आयोजन 2 दिसंबर, 2019 को किया गया था और इस कार्यक्रम में संस्थान के कर्मचारियों, संस्थान के पूर्व कर्मचारियों, शैक्षणिक कर्मियों और उद्योग से जुड़े कर्मियों ने भाग लिया है। डॉ. एन. सी. पान, निदेशक ने सभी प्रतिनिधियों का स्वागत किया और डॉ. पी. बी. सरकर द्वारा जूट पर किए गए शोध कार्यों तथा संस्थान के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। प्रधान विज्ञानी डॉ. एस. एन. चट्टोपाध्याय ने डॉ. पी. बी. सरकार के जीवन वृतांत एवं उनके शानदार करियर में सावित हुए महत्वपूर्ण मील के पत्थरों का उल्लेख किया। डॉ. शशि कुमार रॉय चौधरी, पूर्व-प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी, सेरामपुर, पश्चिम बंगाल एवं वर्तमान में केपीएस इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटेक्निक, बेलमुरी के प्रिंसिपल ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि बतौर उपस्थित होकर कपड़ा उद्योग में हरियाली वाले दृष्टिकोण पर आधारित व्याख्यान दिया। डॉ. चौधरी ने कपड़ा उद्योग जनित प्रदूषण स्रोतों पर विस्तृत चर्चा की और सुरक्षित रसायनों व प्रभावी अपशिष्ट उपचार वाले प्रोटोकॉल का उपयोग करते हुए उन्नत प्रौद्योगिकियों के साथ मुकाबला करने के गुर बताए। प्रधान विज्ञानी डॉ. एल. अम्मैयप्पन ने कार्यक्रम का समन्वय किया है।

डॉ. पी. बी. सरकार को श्रद्धांजलि

डॉ. ए. के. आर. चौधरी का किया गया सम्मान

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

भाकृअनुप प्रायोजित "उत्पाद विविधताओं में प्रगति और प्राकृतिक रेशा के अपशिष्ट उपयोग" विषय पर 21 दिनों तक चलने वाले शीतकालीन स्कूल का 03 दिसंबर, 2019 को उद्घाटन किया गया। प्रो. (डॉ.) पूर्णेंदु विश्वास, माननीय कुलपति, पश्चिम बंगाल पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कोलकाता ने उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि बतौर उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया और प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे पाठ्यक्रम कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों के साथ अधिकाधिक परस्पर विचार-विमर्श करें और हितधारकों के लाभार्थ अपने अर्जित ज्ञान को प्रसारित करें। डॉ. एन. सी. पान, निदेशक ने प्राकृतिक रेशों के मूल्यवर्धन और उत्पाद विविधीकरण हेतु संस्थान में किए गए विभिन्न अनुसंधान एवं विकास के पहलुओं पर जानकारी दी है।

डॉ. एल. के. नायक, पाठ्यक्रम निदेशक ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और शीतकालीन स्कूल के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। शीतकालीन स्कूल के दौरान विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों को संकलित कर प्रकाशित की गई 'व्याख्यान माला' का प्रतिष्ठित व्यक्तियों के कर कमलों से विमोचन किया गया है। शीतकालीन स्कूल में देश के विभिन्न हिस्सों से अट्ठाईस प्रतिभागियों ने भाग लिया जिनमें 17 पुरुष और 11 महिलाएं शामिल थीं, जो कपड़ा निर्माण, कपड़ा रसायन विज्ञान, वस्त्र, कृषि अभियांत्रिकी, कृषि विज्ञान, पादप आनुवंशिकी, प्रजनन, पादप भौतिकी, मृदा विज्ञान, मृदा रसायन विज्ञान, कृषि अवसंरचना एवं प्रक्रिया अभियांत्रिकी, वानिकी, कृषि सूक्ष्म जीव विज्ञान और पादप रोग विज्ञान जैसे तेरह (13) विषयों के ज्ञाता थे।

मुख्य अतिथि का संबोधन

शीतकालीन स्कूल की व्याख्यान माला का विमोचन

कर्मचारियों के साथ शीतकालीन स्कूल के प्रतिभागीगण

व्याख्यान देते बाह्य विशेषज्ञ डॉ. एस. आर. कलबंडे

सभी प्रतिभागी विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों तथा प्रदर्शनों के माध्यम से उत्पाद के विविधीकरण एवं प्राकृतिक रेशा के अपशिष्ट उपयोग पर हाल ही में हुए विकासों से अवगत हुए हैं। प्रतिभागियों ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से अपने मूल संगठन से जुड़ी अनुसंधान गतिविधियों की प्रस्तुति की। ज्ञानार्जन से भविष्य में विशेष शोध क्षेत्र के बारे में एक दूसरे को अवगत कराने में मददगार बने सभी प्रतिभागी लाभांबित हुए हैं। कुल मिलाकर बत्तीस (32) व्याख्यान संस्थान के विशेषज्ञों और चार (04) बाहरी विशेषज्ञों द्वारा दिए गए हैं; इसके बाद कपड़ा और विविध उत्पाद कोटि वाले तंतुओं के निष्कर्षणों पर बाईस (22) व्यावहारिक प्रदर्शण किए गए हैं।

रहस्योद्घाटन-भ्रमण के दौरान, प्रशिक्षु आईसीएआर-क्राइजैफ, बैरकपुर की जूट हस्तशिल्प इकाइयां देखने के बाद औद्योगिक भ्रमण के लिए हुगली जिला के रिशड़ा में स्थित हस्टिंग जूट मिल में भी पहुंचे हैं। पाठ्यक्रम के मूल्यांकनार्थ वस्तुनिष्ठ प्रकार के 64 प्रश्नों वाली एक परीक्षा आयोजित की गई थी। सभी 28 प्रतिभागियों को छह समूहों में विभाजित किया गया था और शीतकालीन स्कूल के मूल विषय पर आधारित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े समूहों द्वारा प्रस्तुतियां रखी गई थीं। आवास व भोजन समेत शीतकालीन स्कूल के समग्र संगठन को सभी प्रतिभागियों की तरफ से बेहतर फीडबैक मिली हैं। संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. के. के. सत्पथी ने अभिवादन समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया और सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। उन्होंने समारोह के सफल समापन की कामना करते हुए कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों द्वारा अर्जित ज्ञान को मूल संस्थानों में अमल में लाने का आग्रह किया और नैशर्गिक रेशों को उत्तरजीवित बनाए रखने के लिए अंतर-अनुशासनात्मक परियोजनाएं बनाने पर भी जोर दिया। प्रमुख विज्ञानी एवं विंटर स्कूल पाठ्यक्रम के सह-निदेशक डॉ. एल. अम्मैयप्पन ने कार्यक्रम का समन्वय किया है।

स्वच्छता पखवाड़ा समारोह

संस्थान में 16-31 दिसंबर, 2019 के दरम्यान "स्वच्छता पखवाड़ा" सप्ताह मनाया गया है और संस्थान के प्रांगण में विभिन्न गतिविधियों जैसे - स्वच्छता का संदेश देने वाले बैनरों का प्रदर्शन, स्वच्छता अभियान, स्वच्छता प्रतिज्ञा, कार्यालय के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण, वृक्षारोपण, एमजीएमजी के तहत गोद लिए गए गाँव में एकबार उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक पर रोक लगाने पर जागरूकता अभियान, किसान दिवस, स्थानीय बाजार वाले स्थानों पर स्वच्छता अभियान, स्थानीय स्कूल के छात्रों के लिए स्वच्छता पर ड्राइंग और कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

स्वच्छता पर रोड शो करते कर्मचारी

संस्थान के प्रांगण में स्वच्छता गतिविधियां

विजेताओं को पुरस्कार वितरण

स्कूली बच्चों के लिए निबंध प्रतियोगिता

निदेशक ने 31.12.2019 को समापन समारोह के अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और संस्थान द्वारा समाज के लिए चलाए गए स्वच्छता अभियान को एक महत्वपूर्ण कदम बताया। निनफेट के स्वच्छ भारत अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. आर. नैय्या ने ''स्वच्छता पखवाड़ा : एक नज़र में'' प्रस्तुति की जिसमें उन्होंने इस दौरान सम्पन्न किए गए विभिन्न क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला। साइकिल चलाकर वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में एकल प्रचारक बने श्री उज्जल पाल ने इस समारोह में सम्मानित अतिथि बतौर उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया और वृक्षारोपण पर दिए जाने वाले अपने संदेश में कहा कि अन्न ग्रहण व सांस लेने के लिए ताजी हवा, जलवायु नियंत्रण और जैव विविधता जैसी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु हमें वृक्षों की परमावश्यकता है। नेताजी नगर डे कॉलेज में बंगाली विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अंजना गुहा ठाकुरता ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि बतौर उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया है। उन्होंने दर्शकों को अपने संबोधन में स्वच्छ पर्यावरण के बारे में बताते हुए प्रत्येक नागरिक को विश्व को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखने की जिम्मेदारी निभाने पर जोर दिया। उन्होंने एक बार उपयोग किए जाने वाले प्लास्टिक का हमारे पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव पर भी प्रकाश डाला। इस दौरान "स्वच्छ अभियान" विषय पर आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता में स्थानीय स्कूल के छात्रों ने अंशग्रहण किया। विजयी स्कूली छात्रों और कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया है। डॉ. आर. नैय्या, नोडल अधिकारी ने कार्यक्रम का समन्वय किया है।

संविधान दिवस (दूसरा कार्यक्रम)

स्वच्छता पखवाड़ा एवं संविधान दिवस को आयोजित किसान दिवस समारोह के अवसर पर संस्थान द्वारा 23 दिसंबर, 2019 को मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मथुरा, बोदाई तथा आमतला नाम के गोद लिए गए गाँवों में से एक गाँव में मौलिक कर्तव्यों पर एक कार्यक्रम चलाया गया है। कार्यक्रम में प्रधान विज्ञानी एवं संविधान दिवस समारोह समिति व एमजीएमजी के नोडल अधिकारी, डॉ. संजय देवनाथ, डॉ. बिप्लब साहा, क्यूईआई प्रभागाध्यक्ष, प्रमुख विज्ञानी डॉ. अभिजीत दास और डॉ. रीना नैय्या, एक्टो एवं नोडल अधिकारी स्वच्छ भारत मिशन ने भाग लिया है।

डॉ. बी. साहा ने किसानों को अपने संबोधन में विभिन्न संस्थानों की गतिविधियों एवं संविधान दिवस के महत्व पर संक्षेप में प्रकाश डालते हुए, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51 ए के तहत वर्णित मौलिक कर्तव्यों पर चर्चा की। संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों, जैविक खेती के प्रति किसानों से मिलने वाले सहयोग का महत्व और स्थायी कृषि के लिए ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने हेतु की जाने वाली कार्रवाई पर भी चर्चा की गई। किसानों के लिए कृषि रेशा फसलों, जैविक खेती, ग्लोबल वार्मिंग और भारतीय संविधान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगताएँ आयोजित की गई। तदुपरांत, विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए हैं। डॉ. एस. देबनाथ ने कार्यक्रम का आयोजन और समन्वय किया है।

सभा को डॉ. बी. साहा का संबोधन

विजेताओं को पुरस्कार वितरण

पावर रिबनर से छाल निकालने वाली प्रौद्योगिकी का आमने-सामने प्रदर्शन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत प्रौद्योगिकी के प्रसार हेतु पश्चिम बंगाल के केवीके और फारमर्स क्लबों के सहयोग से जूट उपजाने वाले तीन जिलों के विभिन्न तीन स्थानों पर उन्नत पावर रिबनर के माध्यम से जूट/मेस्ता पौधों के ऊपर की छाल उतारने वाली प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित गया था।

दिनांक	गाँव	ब्लॉक	जिला	प्रतिभागियों की संख्या
14.08.2019	दारापुर	हरींघाटा	नदिया	50
16.08.2019	रुपुर	रानाघाट	नदिया	45
19.08.2019	गोसाइचोर	रानाघाट –I	नदिया	75
24.08.2019	भवानीपुर	हरींघाटा	नदिया	60
26.08.2019	रानीगाची	भांगुर – I	24 परगना (द.)	45
07.09.2019	पूर्व बिष्णुपुर	चकदा	नदिया	55
12.09.2019	पानपुर क्यूतिया	बैरकपुर – I	24 परगना (उ.)	60

दारापुर में रिबनर से छाल निकालकर दिखाते हुए

रुपुर में रिबनर से छाल निकालकर दिखाते हुए

गोसाइचोर में रिबनर से छाल निकालकर दिखाते हुए

भवानीपुर में रिबनर से छाल निकालकर दिखाते हुए

इस कार्यक्रम में जूट/मेस्ता उपजाने वाले लगभग 390 किसान भाग ले चुके हैं और उन्होंने स्वयं मशीन चलाकर जूट/मेस्ता पौधों के ऊपर की छाल उतार करके भी दिखाया है। जूट/मेस्ता पौधों के ऊपर की छाल उतारने के बाद, उसे तालाब या खुली खाई में बांस पर क्षेतिज अवस्था में लटकाकर सड़ाया जाता है। देखा गया कि छाल 6-8 दिनों में सड़ जाती है जबकि पारंपरिक विधि में सम्पूर्ण पौधों की छाल सड़ने में 15-18 दिन लगते हैं। संबंधित व्यक्तियों द्वारा कुछ प्रश्न भी पूंछे गए जैसे – मशीन की छाल निकालने की क्षमता, रेशा गुणवत्ता, लागत, श्रम की आवश्यकता, पाबर खपत और उसके बजन इत्यादि, जिनके उत्तर संतोषजंक ढंग से दिए गए थे।

एबीआई के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्राकृतिक रेशों पर जागरूकता फैलाने के साथ ही जूट हस्तशिल्प वस्तुओं के क्षेत्र में अधिकम उद्यमियों को उतारने के लिए पूर्वी क्षेत्रों के विभिन्न भागों में एग्री बिजनेस ईंक्यूबेशन परियोजना (एबीआई) आइसीआर-निनफेट, कोलकाता के अंतर्गत "जूट हस्तशिल्प विनिर्माण" विषयक दस(10) दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। प्रशिक्षण स्थलों के संबंधित अधिकारियों समेत परियोजना के सदस्यों ने कार्यक्रम का समन्वयन किया है। कार्यक्रम

के सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर, एबीआई परियोजना के पीआई डॉ. ए. एन. रॉय ने इस क्षेत्र में उद्यमिता हेतु अवसर एवं जूट सामानों के बाजार की मांग के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को संक्षेप में बताया और प्रमाण पत्र वितरित किए हैं।

प्रशिक्षण क्षेत्र	स्थान	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
जूट हस्तशिल्प विनिर्माण	बागडोरा, सिलीगुड़ी, प.बं.	26 जून से 7 जुलाई, 2019	20
जूट हस्तशिल्प विनिर्माण	शिबमंदिर, सिलीगुड़ी, प.बं.	26 जून से 7 जुलाई , 2019	20
जूट हस्तशिल्प विनिर्माण	केवीके नदिया, गेएसपुर, प.बं.	2-18 सितंबर, 2019	20
जूट हस्तशिल्प विनिर्माण	केवीके सम्बलपुर, ओडिशा	27 नवंबर से 7 दिसंबर, 2019	20
जूट हस्तशिल्प विनिर्माण	केवीके –बारगढ़, ओडिशा	28 नवंबर से 7 दिसंबर, 2019	20

सिलीगुड़ी में प्रशिक्षण

सामलालपुर में प्रशिक्षणार्थियों के साथ एबीआई टीम

प्रशिक्षणार्थियों के साथ परस्परिक वार्ता करते डॉ. ए. एन. रॉय, पीआई, एबीआई

प्रभारी – केवीके, बारगढ़ का सभा को संबोधन

इस अवधि के दौरान संस्थान ने जूट से हैंड बैग/शॉपिंग बैग बनाने के तीन स्व-प्रायोजित बुनियादी एवं उन्नत प्रशिक्षण देना शुरू किए हैं।

प्रशिक्षण क्षेत्र	अवधि	पुरुष प्रतिभागियों की संख्या	महिला प्रतिभागियों की संख्या
जूट से हस्तशिल्प कागज	27-31 मई, 2019	07	02
जूट से हस्तशिल्प कागज	17-21 जून, 2019	06	02
जूट से हैंडबैग/शॉपिंगबैग	17-29 जून, 2019	05	06

लुग्दी बनाने की विधि बतलाते हुए

कागज का परीक्षण करते हुए

जूट बैग तैयार करने का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण की सफल समाप्ति

संस्था तकनीकी प्रबंधन इकाई की गतिविधियां

संस्था तकनीकी प्रबंधन इकाई ने 29-4-2019 और 18-09-2019 को क्रमशः आईटीएमसी की दो बैठकें आयोजित की हैं। यह इकाई आईटीएमसी, पेटेंट कार्यालय साथ ही फाइल दर्ज करने की नई प्रक्रियाविधि और अनुवर्ती पुराने मामलों के मध्य पेटेंट लायक तथा गैर-पेटेंट लायक प्रौद्योगिकियों, प्रौद्योगिकियों के वाणिज्यिकरण और जन संपर्क के दृष्टिकोण वाली प्रलेखन प्रक्रियाविधि को भी सहज बनाती है।

फाइल किए गए पेटेंट

- राय डी.पी., अम्मैयप्पन एल., देबनाथ एस., घोष आर.के., मंडल डी. और चक्रबर्ती एस., 2019 इन्ड्यूजेड हायड्रोफोबोसिटी से उपचारित जूट तंतुओं वाली सामाग्री और जैविक मिश्र वाले जूट कोम्पेटेलीज़र्स। ई.फाइल की तारीख 24-06-2019 (ई-1/26479/2019-कोल)
- राय,डी.पी., घोष, आर. के., साहा बी, और सरकार ए, 2019। सम्पूर्ण जूट पौधों को अतिशीघ्र सड़ाने वाला मिश्रण और उसको तैयार करने वाली प्रक्रियाविधि, ई.फाइल की तारीख 25-05-2019 (201931020813)

आईटीएमसी की बैठक

ट्रेडमार्क

क्लास 1 और क्लास 42 के लिए क्रमशः 4259315 व 4259316 संख्या के तहत "सम्पूर्ण जूट पौधों को अतिशीघ्र सड़ाने वाला मिश्रण" नामक पेटेंट का रजिस्ट्रेशन ट्रेड मार्क रजिस्ट्री कोलकाता में किया गया है।

हस्ताक्षर किए गए एमओए

मेसर्स दीप मैक्रो सिस्टम, भंडेर्डा, पो. ऑ. – सिंगुर, हुगली -712 223, पश्चिम बंगाल ने दिनांक 28-07-2019 को प्रौद्योगिकी के वाणिज्यिकरण और जूट इलेक्ट्रोनिक फाइबर बंडल स्ट्रेंथ टेस्टर (सेमी ऑटो) के विकासार्थ संस्थान के साथ एमओए पर हस्ताक्षर किए है।

एमईएसएम प्रायोजित प्रशिक्षण

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन – वाणिज्यक फसल द्वारा प्रायोजित अन्य पहलुओं समेत जूट/मेस्ता/रेमी/सनहेम्प के उत्पादन एवं सड़ाने की तकनीक विषयक चार(4) राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण क्रमशः 9 -11 जुलाई, 2019; 17-19 जुलाई; 2019; 24-26 जुलाई; 2019 और 1-3 अगस्त, 2019 को सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल, बिहार, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश के जूट उपजाने वाले अलग-अलग जिलों से पच्चीस प्रशिक्षणार्थी भाग ले चुके हैं।

सभा को निदेशक का संबोधन

प्रशिक्षण के दौरान प्रदर्शन

प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में उचित प्रदर्शनों के साथ सोलह व्याख्यान दिए गए हैं। पटसन विकास निदेशालय के पूर्व निदेशक डॉ. एस. के विश्वास ने समारोह में मुख्य अतिथि बतौर उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया और भारत में जूट एवं संवर्गी रेशों के उत्पादन परिदृश्य को रेखांकित किया। पटसन विकास निदेशालय के उप निदेशक श्री जिन्तु दास ने समारोह में सम्मानित अतिथि बतौर उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया और बाजार में बेहतर कीमत पाने के लिए रेशा की गुणवत्ता के महत्व को बताया। प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण होने के बाद, निदेशक ने प्रतिभागियों की प्रशंसा की और प्राकृतिक रेशा उपजाने वाले किसानों की बेहतरी के लिए खेतों में प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने पर बल दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञों के साथ प्रतिभागीगण

मेरा गाँव मेरा गौरव कार्यक्रम

एमजीएमजी के तहत, संस्थान ने विकसित प्रौद्योगिकियों पर विभिन्न प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों को चलाने के लिए हावड़ा, हूगली, 24 परगना उत्तर, 24 परगना दक्षिण और नदिया यानि पाँच अलग-अलग जिलों के 25 गाँव को गोद लिया है। प्रत्येक जिले में पाँच अलग-अलग गाँव हैं और एक कोर्डिनेटर प्रत्येक गाँव की क्रमशः देखरेख करता है और डॉ. संजय देबनाथ इस समग्र कार्यक्रम की देखरेख करते हैं।

जागरूकता कार्यक्रम/परस्परिक बैठक	गाँव	भाग लेने वाले कर्मचारी	किसानों की संख्या
जूट मल्च की संभावनाएं 20 जून, 2019	सत्यपोल, श्रीकृष्णापुर, हरींघाटा, नदिया	डॉ.एस. देबनाथ डॉ. एम. भौमिक डॉ.एन. मृर्धा डॉ. डी. दास	90

जागरूकता कार्यक्रम/परस्परिक बैठक	गाँव	भाग लेने वाले कर्मचारी	किसानों की संख्या
आद्रता संरक्षण और खरपतवार नियंत्रण हेतु जूट मल्च 20.06.2019	अरियाला, मिरहाटी, बरासा 1, 24 परगना (उत्तर)	डॉ.एस. देबनाथ डॉ.एम. भौमिक डॉ.एन. मृर्धा डॉ. डी. दास	50
जूट के विविध उत्पाद 13.8.2019	आइडा, गुप्तीपाड़ा, बालागढ़, हुगली	डॉ. बिप्लब साहा डॉ. डी.पी. राय डॉ.आर.के. घोष	100
जूट को शीघ्र सड़ाने वाली प्रक्रिया का प्रदर्शन 20.08.2019	इच्छापुर, बालागढ़, हुगली	डॉ.आर.के. घोष	120
जूट कैरी बैग के उपयोग पर जागरूकता कार्यक्रम-सह-जूट की छाल निकालने वाली मशीन का प्रदर्शन 24.08.2019	भवानीपुर, श्रीकृष्णापुर, हरींघाटा, नदिया	डॉ.एस. देबनाथ डॉ.ए.के. ठाकुर डॉ.वी.बी. शंभू इंजी. एच. बाईती	75
प्लास्टिक बैग के स्थान पर जूट बैग का उपयोग एवं उद्यान कृषि की फसलों में प्लास्टिक मल्च के स्थान पर जूट मल्च का उपयोग 19.09.2019	नदिया जिले के गोद लिए गए गाँव	डॉ. ए.एन. रॉय डॉ. एस. देबनाथ श्रीमती ए. मजूमदार	55

एमजीएमजी कार्यक्रमों की झलकियाँ

सत्यपोल गाँव के किसानों के साथ परस्पर विचार-विमर्श

डॉ. एम. भौमिक का व्याख्यान

अरियाला गाँव के किसानों के साथ परस्पर विचार-विमर्श

जूट सड़ाने वाली प्रक्रियाविधि का प्रदर्शन

जूटमल्च एवं कैरी बैग पर जागरूकता

जूट कैरी बैग पर जागरूकता

■ आईआरसी बैठक

एनआईटीआई–V संस्था शोध परिषद की बैठक (आईआरसी) 21 एवं 23 सितंबर, 2019 को हुई। बैठक में डॉ. पी. के. दास, पूर्व प्रोफेसर, बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नदिया, डॉ. टी. के. गुहा रॉय, पूर्व उप-निदेशक, इजिरा, कोलकाता, डॉ.सुनील कुमार सेट्ट, पूर्व प्रोफेसर, जूट रेशा प्रौद्योगिकी विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और डॉ. डी. नाग, पूर्व निदेशक, आईसीआर – निर्जाफ्ट, कोलकाता बाह्य विशेषज्ञ के बतौर उपस्थित थे। बैठक में चार नए तदर्थ परियोजना प्रस्ताव, चार चल रही तदर्थ परियोजनाएं और बाईस चल रही अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चाएँ हुईं। चर्चा के बाद, चार नई अनुसंधान परियोजनाओं को अनुमोदन दिया गया।

■ शीघ्र सड़ाने वाली प्रक्रियाविधि का सम्मुख प्रदर्शन

वाणिज्यिक फसल (जूट) - राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत संस्थान द्वारा निनफेट-साथी के रूप में उपलब्ध जूट की छाल को शीघ्र सड़ाने वाली प्रौद्योगिकी के छब्बीस (26) बार आमने-सामने प्रदर्शन किए गए हैं। यह एक ऐसा मिश्रण है जिसमें बगैर सूक्ष्म जीवाण्विक कन्सोर्टिया वाले न्युट्रीएंट पाए जाते हैं; फिरभी, त्वरक एक उचित पीएच पर सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि कर सकता है, ताकि यह सड़ाने की दर को तीव्र कर सके। स्थलीय प्रदर्शनों का आयोजन करने में संस्थान का सहयोग देने में विभिन विश्वविद्यालय, केवीके, एनजीओ तथा सरकारी संगठन आगे आए हैं। सभी कार्यक्रम विशिष्ट दिशानिर्देशानुसार संस्थान के संबंधित विज्ञानी के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में सम्पन्न किए गए थे। स्थलीय प्रदर्शन कार्यक्रम (एफएलडी) पश्चिम बंगाल के 26 विभिन्न स्थानों मुख्य रूप से हुगली, उत्तर 24 परगना, बर्धवान तथा मालदा जिलों के किसानों के खेतों, कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और एनजीओ में चलाए गए हैं। किसानों का चयन सहयोगी एजेंसियों द्वारा किया गया था जो मुख्यतः यातों जूट किसान थे अथवा वे जूट क्षेत्र से जुड़े हुए अन्य व्यक्ति थे। कार्यक्रम मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों के दूरस्थ गाँव में शुरू किए गए थे जिनके बारे में लोगों की ओर से दिली प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुई थीं और प्रदर्शन स्थल पर किसानों के साथ स्थानीय व्यक्तियों की भारी भीड़ उमड़ी थी।

क्रमांक	स्थान	जिला	तारीख	प्रतिभागीगण
1	बैरकपुर	उत्तर 24 परगना	02.08.2019	50
2	टोना	बालागढ़, हुगली	13.08.2019	120
3	हमजानपुर	हुगली	13.08.2019	125
4	इंचुरा	हुगली	13.08.2019	90
5	तिलाइपाड़ा	मालदा	16.08.2019	55
6	राजडोली	मालदा	16.08.2019	65
7	मंगलपुरा, खरीकडांगा	मालदा	17.08.2019	125
8	हुक्काभांग	मालदा	17.08.2019	75
9	निरोइल	मालदा	18.08.2019	65
10	नरसिंघबाटी	मालदा	18.08.2019	120
11	दहर टीओरनोई	हुगली	20.08.2019	116
12	बिलिसवार	हुगली	20.08.2019	102
13	कल्याणपुर	पूर्व बर्धमान	20.08.2019	65
14	द्यामोर्गाछा	हुगली	24.08.2019	85
15	न्यू इंचुरा	हुगली	24.08.2019	85
16	बादशाहनगर	मुर्शिदाबाद	02.09.2019	65
17	बादशाहनगर	मुर्शिदाबाद	02.09.2019	60
18	पूर्वपाड़ा	मुर्शिदाबाद	03.09.2019	85
19	सोनाटिकुरी	मुर्शिदाबाद	03.09.2019	75
20	सोनाटिकुरी	मुर्शिदाबाद	03.09.2019	120
21	पारेशनाथपुर	मुर्शिदाबाद	04.09.2019	92
22	पारेशनाथपुर	मुर्शिदाबाद	04.09.2019	105
23	पारेशनाथपुर	मुर्शिदाबाद	05.09.2019	85
24	सरबंगपुर	मुर्शिदाबाद	05.09.2019	65
25	डूबतला	मुर्शिदाबाद	15.09.2019	120
26	राजपुर	मुर्शिदाबाद	15.09.2019	95

प्रत्येक स्थलीय कार्यक्रम (एफएलडी) का फसल क्षेत्र 0.25 हेक्टेयर था; जिसमें से आधे हिस्से से काटे गए 2-3 कुंटल जूट के पौधों के लिए शीघ्र सड़ाने वाली प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया था जबकि बाकी आधे हिस्से के पौधों को पारंपरिक सड़ाने वाली प्रौद्योगिकी से सड़ाया गया था, ताकि इन दोनों छाल की तुलना की जा सके। पौधों को खुली खाई, सीमेंट के बने टैंक और सड़क किनारे के नालों में सड़ाया गया था। पौधों को टैंक में विपरीत दशा में व्यवस्थित किया गया था और प्रति कुंटल हरे जूट के पौधों के ऊपर 2 किलोग्राम की दर से सड़ाने वाले पावडर को भुरकाया गया था (प्रति बीघा हरे पौधों की उपज 50 कुंटल होती है)। देखा जाता है कि शीघ्र सड़ाने वाली प्रौद्योगिकी से पौधे 8-12 दिनों के भीतर सड़ जाते हैं और 1-2 ग्रेड वाला बेहतर गुण का रेशा प्राप्त होता है।

निनफेट साथी पर जागरूकता

गाँव में प्रदर्शन

निनफेट साथी पर व्याख्यान

सफल स्थलीय प्रदर्शनों की समाप्ति

प्रदर्शनी में सहभागिता

संस्थान ने अरबिन्द इन्स्टीट्यूट ऑफ कल्चर में 12-13 दिसंबर 2019 तक आरंभ हुए एग्जिविजन एसपायरेशन 2019 में संस्थान के अनुसंधान एवं विकास उत्पादों को प्रदर्शित किया था और दर्शकों ने वहाँ पहुँचकर विभिन्न उत्पादों एवं भिन्न-भिन्न प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्राप्त की है। विभिन्न संस्थानों की प्रौद्योगिकियों/उपादों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी को विवरण पुस्तिकाओं तथा व्यक्तियों के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाया जाता है।

तेज - 2019 में सहभागिता

संस्थान ने 18-22 नवंबर, 2019 के दरम्यान आईसीएआर-राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक में सम्पन्न हुए पूर्वी क्षेत्र के टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए तेईस कर्मचारियों वाले एक दल को नामित किया है। यह दल, समूह प्रतिस्पर्धा के साथ ही एकल प्रतिस्पर्धा अर्थात वॉलीबॉल (स्मेसिंग), वॉलीबॉल (शूटिंग), फ़ुटबॉल, कबड्डी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम (एकल), सतरंज (एकल), 800 मीटर की दौड़, 1500 मीटर की दौड़, साइकिल चलाना, 4X100 रिले, लंबी कूद, गोला फेंक, भाला एवं डिस्कस फेंक में भी भाग ले चुका है। सभी खिलाड़ियों ने खेल में बेहतर प्रदर्शन करके कबड्डी में सेमी फाइनल, फ़ुटबॉल में क्वार्टर फाइनल और सतरंज में चतुर्थ स्थान पर पहुँचकर कामयाबी हासिल की है। हमें बतलाते हुए गर्व हो रहा है कि संस्थान टेबिल टैनिस में चेम्पियन हुआ है और इसे दिलाने में टीम के सदस्यों यथा श्री अमित दास, श्री सुदीप्त भौमिक, श्री साइको मन्ना, श्री रॉबिन दास और श्री सौरभ पाल का बहुत बड़ा योगदान रहा है। संस्थान के निदेशक डॉ. एन.

सी. पान ने सभी खिलाड़ियों और चयन समिति के चेयरमैन की सक्रिय संलिप्तता तथा इनकी दलगत भावना की प्रशंसा की हैं। श्री सुदीप्ता भौमिक, चीफ -डे- मिशन तथा श्री रॉबिन दास, टीम मैनेजर ने पूर्वी क्षेत्र के टूर्नामेंट 2019 कार्यक्रम का समन्वयन किया है।

पूर्वी क्षेत्र के टूर्नामेंट-2019 हेतु आईसीएआर–निनफेट का एक दल

विजयी दल

अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत कार्यक्रम

अवधि के दौरान अनुसूचित जाति उप-योजना के तहत पश्चिम बंगाल के विभिन्न भागों में "जूट हस्तशिल्प वस्तुएँ बनाने' और "बैग बनाने'' के दस एवं बारह दिवसीय कौशल विकास कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में एग्रो-वेस्ड क्राफ्ट वर्क्स से ताल्लुक रखने वाले अनुसूचित जाति श्रेणी के बीस(20) किसान इसमें भाग लेकर लाभान्वित हो चुके हैं।

प्रशिक्षण स्थान	अवधि	क्षेत्र
सारगाची रामकृष्ण मिशन, मुर्शिदाबाद	1-12 जून, 2019	जूट हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण
सीआईएसएच, मालदा	3-14 जून, 2019	
बिधाननगर -I, सिलीगुड़ी	13-24 जून, 2019	
बिधाननगर -II, सिलीगुड़ी	13-24 जून, 2019	
खारीबाड़ी -I, सिलीगुड़ी	13-24 जून, 2019	
खारीबाड़ी -II सिलीगुड़ी	13-24 जून, 2019	
बागडोरा, सिलीगुड़ी	26 जून से 7 जुलाई, 2019	
शिवमंदिर, सिलीगुड़ी	26 जून से 7 जुलाई, 2019	
रामकृष्ण मिशन (आरकेएम), सारगाची	1-12 जून, 2019	जूट बैग का निर्माण
आईसीएआर– सीआईएसएच , क्षेत्रीय केंद्र, मालदा	3-14 सितंबर, 2019	
आईसीएआर–निनफेट, कोलकाता	16-26 नवंबर, 2019	
आईसीएआर–निनफेट, कोलकाता	15-26 नवंबर, 2019	
सस्य स्यमला केवीके, अरपंच, सोनारपुर	19 नवंबर, 2019	कृषि वस्त्र

एससीएसपी कार्यक्रमों की झलक

प्रशिक्षणार्थी का अभिवादन

एससीएसपी के चेयरमैन ने प्रमाण पत्र वितरित किए

सारगाची रामकृष्ण मिशन में प्रमाण पत्र वितरण

प्रशिक्षणार्थियों का समूह फोटो

प्रशिक्षण से विकसित उत्पाद

आईसीएआर–निनफेट में जूट बैग का प्रशिक्षण

जूट मल्च और कैरी बैग पर जागरूकता

जूट कैरी बैग पर जागरूकता

गृह-गोष्ठी

तारीख	प्रस्तुतकर्ता	विषय
11.04.2019	डॉ. देब प्रसाद राय	जूट एवं मेस्ता पौधों को शीघ्र सड़ाने वाली प्रौद्योगिकी का विकास
18.04.2019	श्री सुजय दास	आर्टिफ़िश्यल इंटेलिजेंस (ए I) एंड सेन्सोरी टेक्नालजी में आधुनिक विकास
28.06.2019	श्री तुही घोष	डिजिटल प्लेटफॉर्म में पुस्तकालय साधनों की उपलब्धता
21.08.2019	डॉ. बिप्लब साहा एवं डॉ. देबब्रत दास	पार्थेनियम घास के हानिकारक और लाभकारी प्रभाव
11.09.2019	डॉ. गौतम बोस	वर्तमान पर्यावरण के संदर्भ में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट
16.09.2019	डॉ. निबरण दास	वस्त्रों में संभव अनुप्रयोग एंड आर्टिफ़िश्यल इंटेलिजेंस
24.10.2019	डॉ. शंभूनाथ चट्टोपाध्याय चट्टोपाध्याय	पर–एसेटिक एसिड का अनुप्रयोग कर जूट वस्त्रों का विरंजन
16.12.2019	डॉ. माणिक भौमिक	डिजिटल फ्लेगजीबल मेटेरियल हेंगिंग एपीयरेंस मेजरिंग इन्स्ट्रूमेंट

विशिष्ट आगंतुक

तारीख	आगंतुक
02.07.2019	डॉ. रतन तिवारी, प्रधान विज्ञानी, आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल
02.10.2019	श्री चन्द्र गोपाल शर्मा, पूर्व उप-महा प्रबंधक, पूर्वी रेलवे
02.11.2019	श्री बिश्व बंधु चक्रवर्ती, डीएसपी,सीबीआई, कोलकाता
02.12.2019	डॉ. ए. के. रॉय चौधरी, प्रिंसिपल, केपीएस इंस्टिट्यूट ऑफ पॉलिटैक्निक, बेलमुरी
03.12.2019	प्रो. (डॉ.) पूर्णेंदु बिस्वास, वाइस - चांसलर, डब्ल्यूबीयूएएफएस, कोलकाता
13.12.2019	डॉ. एस. आर. कलबंडे, हेड, डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला
21.12.2019	डॉ. सुसील कुमार मित्रा, (रिटा.) असिस्टेंट कंट्रोलर ऑफ पेटेंट कोलकाता
21.12.2019	प्रो. (डॉ.) अल्का गोयल , प्रोफेसर एंड हेड, डीसीटी, जी.बी.पंत यूनिवर्सिटी. पंतनगर, उत्तराखंड
23.12.2019	डॉ. के. के. सत्पथी, पूर्व–निदेशक, आईसीएआर–निनफेट
31.12.2019	डॉ. ए. जी. ठाकुरता, एसोसिएट प्रोफेसर, नेताजी नगर डे कॉलेज, कोलकाता

हिंदी सेल की गतिविधियां

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक: हिंदी सेल प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का नियमित आयोजन करता है और बैठक में कर्मचारियों तथा संस्थान के प्रकाशनों के वास्ते हिंदी के प्रयोग एवं कार्यान्वयन को बढ़ावा देने हेतु नई कार्यसूचियों पर चर्चा करता है। सभी बैठकों की अध्यक्षता निदेशक करते हैं और सहायक निदेशक राजभाषा (राभा) बैठक का सफल समन्वयन करते हैं। निदेशक के कक्ष में क्रमशः 22 जून, 2019 (प्रथम तिमाही), 16 सितंबर, 2019 (दूसरी तिमाही), और 11 दिसंबर, 2019 (तीसरी तिमाही) को तीन बैठकों का आयोजन किया गया है।

हिंदी कार्यशाला: हिंदी सेल सभी कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने और हिंदी के महत्व पर जागरूकता फैलाने हेतु बारंबार कार्यशालाओं का आयोजन करता रहता है। ''हिंदी टिप्पण, मसौदा लेखन'' व ''यूनिकोड'', ''हिंदी भाषा का सरलीकरण'' व ''कंप्यूटर पर हिंदी'' और ''हिंदी टिप्पण, मसौदा लेखन'' व ''कंप्यूटर पर हिंदी'' विषयों पर क्रमशः 15 जून, 2019, 07 सितंबर, 2019 और 07 दिसंबर, 2019 को तीन कार्यशालाएँ आयोजित की गई हैं।

हिंदी प्रशिक्षण: गहन हिंदी टंकण एवं आशुलिपि प्रशिक्षण केंद्र, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप-संस्थान, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कोलकाता में ''कंप्यूटर पर हिंदी में काम करने के लिए मूल प्रशिक्षण कार्यक्रम'' विषय पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया था जिसमें संस्थान के छह कर्मचारी प्रशिक्षित हो चुके हैं।

काव्य प्रतियोगिता: हिंदी सेल ने संस्थान में 14 नवंबर, 2019 को भारत सरकार की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कोलकाता (कार्यालय-2) के सदस्य कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए ''हिंदी काव्य आवृति प्रतियोगिता'' का आयोजन किया था जिसमें 12 कार्यालयों से तेईस प्रतिभागी भाग ले चुके हैं।

हिंदी पखवाड़ा: संस्थान में 12 सितंबर से 28 सितंबर, 2019 के दरम्यान हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया था और इस दौरान क्रमशः 12-09-2019, 17-09-2019, 20-09-2019, 25-09-2019, 25-09-2019 और 26-09-2019 को प्रश्नोत्तरी, सस्वर-पाठ, वाद-विवाद, हिंदी में अधिकतम कार्य और टिप्पण एवं मसौदा लेखन जैसी आयोजित प्रतियोगिताओं में कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया हैं। 28 सितंबर, 2019 को सम्पन्न हुए समापन समारोह में श्री योगेंद्र शुक्ला सुमन ने मुख्य अतिथि बतौर उपस्थित होकर कार्यक्रम को भव्य बनाया। प्रधान विज्ञानी डॉ. ए. के. ठाकुर ने माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री के संदेश को पढ़ा। तद्पश्चात, प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया हैं। सम्मानीय मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में अनुरोध किया कि प्रत्येक कर्मचारी अपना कार्य अधिक से अधिक हिंदी में करें। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदी एक ऐसी भाषा है जिसमें हमारी धरती की माटी की सौंधि-सौंधि ख़ुशबू निकलती है और यह प्रत्येक भारतीय के दिल में बिराजती है। निदेशक ने अपने संबोधन में संस्थान के प्रत्येक कर्मचारी को अपने कार्यालयीन कार्य यथासंभव हिंदी में करने का आग्रह किया। श्री आर. डी. शर्मा, एडी (ओएल) ने कार्यक्रम का समन्वयन किया है।

हिंदी पखवाड़ा समारोह

हिंदी टिप्पण एवं मसौदा लेखन पर कार्यशाला

रहस्योद्घाटन- भ्रमण एवं आउटरीच कार्यक्रम

निम्न स्थानों से आए प्रतिभागीगण	भ्रमण की तारीख	प्रतिभागीगण
मंसूर हबीबुल्ला हाई स्कूल के विद्यार्थी	11 नवंबर, 2019	100
कॉलेज ऑफ कम्यूनिटी साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ एग्री कलचुरल साइंस, बंगलारु	16 नवंबर, 2019	100
एससीएसपी के तहत गोद लिए गए गाँव से प्रगतिशील किसान	29 नवंबर, 2019	30
बीसीकेवी, कल्याणी एवं महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी, महाराष्ट्र बी.टेक.(एग्री इंजी.) के विद्यार्थी	जून, 2019	17

कार्मिक

नाम	पद	पदोन्नत पद	प्रभावी तारीख
डॉ. देबब्रत दास	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी	29.04.2018
श्री कृष्ण गोपाल नाथ	तकनीकी अधिकारी	वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	19.12.2018
श्री सुबीर कुंडु	तकनीकी सहायक	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	06.10.2018
श्री तुही शुभ्र घोष	तकनीकी सहायक	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	25.04.2019
श्रीमती रूबी दास	तकनीकी सहायक	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	04.07.2019
श्री गुणसिंधु सरदार	तकनीकी सहायक	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	14.07.2019
श्री रॉबिन दास	तकनीकी सहायक	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	11.08.2019
श्री सूजोय कर्मकार	तकनीकी सहायक	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	15.09.2019
श्री अमलेश घोष	वरिष्ठ तकनीसियन	तकनीकी सहायक	06.03.2018
श्री सुरजीत साहा	तकनीसियन	वरिष्ठ तकनीसियन	24.04.2019
श्री सुदर्शन मुर्मू	तकनीसियन	वरिष्ठ तकनीसियन	28.01.2019
श्री अभिसेक तिवारी	तकनीसियन	वरिष्ठ तकनीसियन	17.07.2019
श्री ओमप्रकाश सिंह	प्रवण श्रेणी लिपिक	सहायक	23.03.2018
श्री कुश कुमार रजक	स्किल्ड स्पोर्टिंग स्टाफ	एमएसीपी स्कीम	25.09.2019
श्री प्रसांत मंडल	स्किल्ड स्पोर्टिंग स्टाफ	एमएसीपी स्कीम	24.10.2019

नावांतुक

नाम	पद	प्रभावी तारीख	प्रभाग/अनुभाग	
श्री चंचल मंडल	तकनीसियन	03.05.2019	डीडीम अनुभाग	आपकी कार्यनीति और सकारात्मक अवधारणा इस संस्थान की संपदा है और यह आपको एक नई ऊंचाई पर ले जाएगी। बहुत-बहुत बधाई
श्री सोमनाथ विश्वास	तकनीसियन	25.05.2019	एमपी प्रभाग	
श्री शाइकत माईति	तकनीसियन	29.06.2019	क्यूईआई प्रभाग	
कु. जैतीया चौधरी	तकनीसियन	22.07.2019	पुस्तकालय	
श्री अग्निव मल्लिक	तकनीसियन	27.09.2019	टोट प्रभाग	

सेवानिवृत्ति

नाम	पदनाम	तारीख	प्रभाग	
श्री रोबेन सोरेन	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	30.09.2019	टोट प्रभाग	यह आपके नए जीवन की शुरुआत है। आपको सेवानिवृत्ति पर हार्दिक बधाई
डॉ. गौतम बोस	प्रधान विज्ञानी	30.11.2019	एमपी प्रभाग	

प्रकाशक
निदेशक, आईसीएआर – राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (पूर्व आईसीएआर –निर्जाफ्ट)
आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित संस्थान
12, रीजेट पार्क, कोलकाता – 700040, पश्चिम बंगाल
फोन: 033-24711807 (निदेशक)
कार्यालय - 033 24212115/16/17 (ईपीबीक्स); फेक्स : 033 2471 2583
ई.मेल : director.ninfet@icar.gov.in; nirjaftdirectorcell13@gmail.com
वेबसाइट: www.nirjaft.res.in
मुद्रक: मेसर्स सेमाफोर टेक्नोलोजीज प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता, फ़ो.नं. +91 9836873211